WHISPERS IN THE CORRIDORS .COM

डॉ. सुरेश मेहरोत्रा

नईदुनिया से विशेष अनुबंध के तहत

राजनीतिक, प्रशासनिक व कॉर्पोरेट जगत की खबरें

राजनीतिक

- **प्रधानमंत्री मोदी के अंदाज से अशांति फैल रही है और मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें तेज हो रही हैं।**

मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना को देखते हुए, सभी मंत्रालयों में बेचैनी और उत्सुकता चरम पर है। हर तरफ सिर्फ एक ही बात की चर्चा हो रही है: कौन से मंत्री अपने पदों पर बने रहेंगे और किन मंत्रियों को अपने पोर्टफोलियो खोने पड़ सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की कई मुख्यमंत्रियों और भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन के साथ देखी गई सबको चौंकाने वाली प्रवृत्ति ने अटकलों को और हवा दी है।

- **क्या एनडीए परिसीमन के लिए लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत हासिल कर पाएगा? विशेषज्ञों का कहना है, इसकी संभावना बहुत कम है**

लगातार चल रहे गुप्त प्रयासों और राजनीतिक उथल-पुथल के संकेतों के बावजूद, भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को प्रस्तावित परिसीमन विधेयक जैसे संवैधानिक संशोधन को पारित करने के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल पा रहा है। संभावित क्रॉस-वोटिंग और तृणमूल कांग्रेस के कुछ वर्गों के दल-बदल की संभावना को ध्यान में रखते हुए भी, गठबंधन लोकसभा में 362 के आंकड़े से काफी दूर है, जो पूर्ण उपस्थिति माने जाने की प्रभावी सीमा है। सरकारी सूत्रों से संकेत मिलता है कि केंद्र सरकार परिसीमन को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक है, न केवल एक चुनावी ढांचागत प्रक्रिया के रूप में, बल्कि 2029 के आम चुनाव से पहले महिला आरक्षण ढांचे को लागू करने के लिए एक आवश्यक पूर्व शर्त के रूप में भी। संवैधानिक जनादेश के अनुसार, ऐसे विधेयक को दोनों सदनों में उपस्थित और मतदान करने वाले कम से कम दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन प्राप्त करना आवश्यक है, जिससे खंडित राजनीतिक परिदृश्य में गणितीय गणना विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण हो जाती है।

हालांकि एनडीए ने अतीत में सदन प्रबंधन और रणनीतिक गठबंधनों के माध्यम से विधायी चपलता का प्रदर्शन किया है, लेकिन मौजूदा आंकड़े बताते हैं कि परिसीमन को आगे बढ़ाना का कोई भी प्रयास या तो महत्वपूर्ण विपक्षी अनुपस्थिति या आने वाले महीनों में व्यापक राजनीतिक पुनर्गठन पर निर्भर करेगा।

- **क्या टीएमसी विद्रोही-एनसीपी गुट एनडीए के समर्थन के बदले कैबिनेट में पद हासिल कर पाएगा?**

एक संभावित महत्वपूर्ण राजनीतिक बदलाव के तहत, सूत्रों के अनुसार केंद्रीय मंत्रिमंडल में दो पद टीएमसी के बागी गुट के नेताओं को आवंटित किए जा सकते हैं, जिसका हाल ही में त्रिपुरा स्थित राष्ट्रवादी कांग्रेस ऑफ पीपुल्स इंडिया (एनसीपीआई) में विलय हुआ है। इस कदम को एनडीए के समर्थन देने के समूह के निर्णय से जुड़ी व्यापक बातचीत के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है, जिससे लोकसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन की संख्या में प्रभावी रूप से वृद्धि होगी।

सूत्रों के अनुसार, इस समझौते को एक रणनीतिक सौदे के रूप में देखा जा रहा है: बागियों को राजनीतिक पुनर्वास और मंत्री पद में प्रतिनिधित्व प्रदान करना, ऐसे समय में विधायी समर्थन प्राप्त करना जब हर सीट महत्वपूर्ण है। एनसीपीआई से जुड़े गुट के शामिल होने से एनडीए को मामूली लेकिन प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण बढ़त मिलने की उम्मीद है, खासकर संसद में कड़ी टक्कर वाले चुनावों में। भाजपा नेतृत्व या बागी खेमे की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन माना जा रहा है कि आंतरिक विचार-विमर्श उन्नत चरण में है। इस घटनाक्रम का असर त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में भी देखने को मिल सकता है, जहां निष्ठा में बदलाव क्षेत्रीय राजनीतिक समीकरणों को लगातार नया रूप दे रहे हैं।

प्रशासनिक

- **क्या गृह मंत्रालय द्वारा राज्यों के लिए मानसून के बाद के सत्र में नौकरशाही में बदलाव की योजना बनाई जा रही है?**

सूत्रों के मुताबिक, आगामी मानसून सत्र की संसद समाप्ति के तुरंत बाद भाजपा शासित राज्यों में चुनिंदा प्रशासनिक नियुक्तियों का एक महत्वपूर्ण दौर शुरू हो सकता है। बताया जा रहा है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के समन्वय से की जा रही इस प्रक्रिया का उद्देश्य व्यस्त चुनावी कार्यक्रम से पहले प्रशासनिक तंत्र को राजनीतिक और शासन संबंधी प्राथमिकताओं के अनुरूप ढालना है। आंतरिक सूत्रों का कहना है कि जिन अधिकारियों का प्रदर्शन अपर्याप्त माना जाता है या जो वर्तमान नीति कार्यान्वयन ढांचे के अनुरूप नहीं हैं, उन्हें महत्वपूर्ण क्षेत्रीय पदों से हटाया जा सकता है। ऐसे कई अधिकारियों को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति चैनलों के माध्यम से डेस्क आधारित भूमिकाओं में स्थानांतरित किए जाने की संभावना है, जिससे जमीनी स्तर पर उनका प्रशासनिक प्रभाव काफी कम हो जाएगा। इस कदम को भाजपा शासित क्षेत्रों में केंद्र-राज्य समन्वय को मजबूत करने के व्यापक प्रयास के हिस्से के रूप में भी देखा जा रहा है, खासकर कानून व्यवस्था, कल्याणकारी योजनाओं के वितरण और बुनियादी ढांचे के विकास जैसे क्षेत्रों में। हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक सूचना जारी नहीं की गई है, लेकिन कई राज्यों के प्रशासनिक हलकों में संभावित फेरबदल को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। यदि इसे बड़े पैमाने पर लागू किया जाता है, तो यह हाल के वर्षों में राजनीतिक रूप से सुनियोजित प्रशासनिक पुनर्गठनों में से एक हो सकता है।

- **क्या कृष्णन मुख्य सचिव के रूप में तमिलनाडु लौटेंगे?**

ऐसी अफवाहें हैं कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन मुख्य सचिव के रूप में अपने मूल तमिलनाडु कैडर में लौट रहे हैं। वे तमिलनाडु कैडर के 1989 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।

- **15 कैडर राज्यों से आईपीएस अधिकारी को महानिदेशक रैंक तक पैनल में शामिल होंगे**

मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति, जिसने महानिदेशक के पद पर 33 आईपीएस अधिकारियों की नियुक्ति को मंजूरी दी, ने 15 कैडर राज्यों से 1990 से 1995 बैच के अधिकारियों का चयन किया।

- **पीईएसबी ने गौतम को एनबीसीसी में निदेशक (परियोजना) के पद के लिए अनुशंसित किया**

पीईएसबी ने एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड में निदेशक (परियोजना) के पद के लिए भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (एमओपीएसडब्ल्यू), बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय (एमओ/ओ) के सदस्य (तकनीकी) और सदस्य (यातायात और रसद, अतिरिक्त प्रभार) आशुतोष गौतम के नाम की सिफारिश की।

- **एसईबीआई के सदस्य सितंबर में सेवानिवृत्त होंगे**

सेबी के सदस्य अमरजीत सितंबर में सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनका उत्तराधिकारी कौन होगा? संभवत: कोई अंदरूनी व्यक्ति उनका उत्तराधिकारी बनेगा।

- **सुंदरराज पी राष्ट्रीय जाँच एजेंसी के आईजी नियुक्त**

सुंदरराज पी को प्रतिनियुक्ति के आधार पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) में आईजी नियुक्त किया गया है। वे छत्तीसगढ़ कैडर के 2003 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं।

- **सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में जीसीसी रणनीति**

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (एसबीआई के नेतृत्व में) दक्षता/प्रौद्योगिकी के लिए वित्त वर्ष 2026-27 में वैश्विक क्षमता केंद्रों की शुरुआत करने की योजना बना रहे हैं।

उत्तरप्रदेश पुलिस कंप्यूटर ऑपरेटर भर्ती

योगी की नसीहत, बोले- ड्यूटी के समय रील बनाना अनुशासनहीनता

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि पिछले 09 वर्ष में सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यूपी पुलिस ने तेज गति से काम किया है। आज यूपी पुलिस मॉडल पुलिसिंग का उदाहरण का है। चयनित अभ्यर्थियों से कहा कि अपने अभिभावकों, गुरुजनों से पूछिए 2017 से पहले स्थिति क्या थी। हर दूसरे महीने दंगा होता था। उत्सव से पहले उपद्रव होने लगते थे। मुरादाबाद में हमारे एक डीआईजी रैंक के अधिकारी को उपद्रवियों ने जमकर मारा था। मरा हुआ समझकर उन्हें छोड़कर चले गए थे।

सीएम ने आगे कहा कि यूपी में लोगों ने कल्पना करन बंद दिया था, कि हमारी बेटियां सुरक्षित रहेंगी। लेकिन,हम इन सब घटनाओं को वाच कर रहे थे। सरकार में आने के बाद उन सभी उपद्रवियों को ऐसी सजा हुई है, कि उनकी सात पीढ़ियां उपद्रव करना भूल जाएंगी। पहले हमारे पास 30 हजार की ट्रेनिंग की व्यवस्था थी, आज हमारे पास 60 हजार जवानों की ट्रेनिंग की व्यवस्था है।

उन्होंने कहा कि पहले टूटे हुए बैरक थे। उसमें पुलिस के जवान रहते थे। आखिर उनके लिए भी तो गर्मी, सर्दी और बरसात था। आज

सबसे ऊंचे भवनों वाले बैरक हैं। आज यूपी चल नहीं रहा है, भाग रहा है। पहले अपराधियों की फाइल भाई लोग ऐसे दबा देते थे, कि कभी खुल ही नहीं सकती थी। आज हमने सात जनपदों में कमिश्नरेट की व्यवस्था कर दी। जिनको जानकारी नहीं वो इस सिस्टम पर सवाल उठाते हैं।

सीएम ने आगे कहा कि पहले चार जिलों में फोरेंसिक लैब थी। आज 12 जिलों में फोरेंसिक लैब है। हर जिलों में फोरेंसिक वैन है। बड़े जिले में तीन और छोटे जिले में दो वैन हैं। आज हर जिले में साइबर थाने हैं। यूपी पुलिस आज देश के अंदर निखर गई है। अब कोई पुलिस पर उंगली नहीं उठाता। आज के इस युग में कोई चीज किसी से छिपी नहीं रह सकती। पहले पहचान का संकट था। जब आप लोग बाहर नौकरी के लिए जाते थे, तो पहचान नहीं बता सकते थे।

सीएम ने कहा कि 09 लाख से अधिक सरकारी नौकरी दी। पहले यूपी में कुल 14 हजार बड़े कारखाने थे। इन 09 वर्षों में इनकी संख्या बढ़कर 32 हजार से अधिक हो गई है। अब किसी को किसी भी तरह की सिफारिश की जरूरत नहीं पड़ेगी। कंप्यूटर ऑपरेटर के रूप में आप लोगों से भी ऐसी ही उम्मीद रहेगी। यूपी अब बीमारू राज्य नहीं है। देश के टॉप थ्री इकोनॉमी वाले प्रदेश में यूपी आता है। केंद्र सरकार की किसी भी योजना में अब यूपी बॉटम में नहीं टॉप पर आता है।

उन्होंने कहा कि ड्यूटी के दौरान बहुत से लोग रील बनाते रहते हैं, ये अनुशासनहीनता का उदाहरण है। हमें कोई ऐसा काम नहीं करना चाहिए, जो हमें हंसी का पात्र बनाए। किसी को उंगली उठाने का मौका नहीं देना चाहिए।

'मुहर्रम में शक्ति प्रदर्शन स्वीकार्य नहीं' : योगी

सौहार्द्र बिगाड़ने की कोशिश पर होगा एक्शन

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुहर्रम मातम का अवसर है, शक्ति प्रदर्शन का नहीं। इस दौरान किसी अस्त्र-शस्त्र के प्रदर्शन, नई परंपरा, कानफोडू डीजे, ढोल-ताशों के अनियंत्रित प्रयोग की अनुमति नहीं दी जाएगी। मंगलवार को कानून-व्यवस्था, आगामी त्योहारों, योग दिवस की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सीएम ने शांति भंग करने के प्रयासों पर कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए।

सीएम ने सभी डीएम और एसपी को मोहर्रम की व्यवस्थाओं को लेकर पहले से संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, दुर्घटना से बचाव के लिए ताजियों की ऊंचाई निर्धारित मानकों के अनुरूप रखी जाए। 10 से 12 फीट से डीट से अधिक ऊंचे ताजियों की अनुमति न दी जाए। सभी की आस्था का सम्मान हो, लेकिन नई परंपरा स्वीकार्य नहीं होगी।

हर गांव हर वार्ड में 21 जून को योग कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के दौरान सीएम ने कहा कि इस वर्ष 'स्वस्थ आयु के लिए योग' थीम के साथ इसे मनाया जा रहा है। पीएम के कार्यक्रम का प्रदेश भर में सीधा प्रसारण किया जाए। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधि शामिल हों। सभी 58 हजार ग्राम पंचायतों एवं 762 नगरीय निकायों में योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

अमृत सरोवरों, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों पर सामूहिक योगाभ्यास हो तथा नगरीय क्षेत्रों के 14 हजार वार्डों में कार्यक्रम स्थलों को चिह्नित करें। इससे पहले 20 जून को शिक्षण संस्थानों के सहयोग से विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए। सभी पुलिस लाइन एवं पीएसी बटालियनों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। जनशिकायतों के निस्तारण को लेकर सीएम ने कहा कि कुछ जिलों में निस्तारण की स्थिति संतोषजनक नहीं है। ऐसे जिलों को तत्काल अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाना होगा, अन्यथा जवाबदेही तय होगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने मांडवी तालाब पर स्वच्छता अभियान में लिया भाग

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, वाराणसीः केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर बुधवार को रोहनिया विधानसभा के मांडवी तालाब, मंडुआडीह में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ पूरे उत्साह के साथ भागीदारी की। प्रदेश अध्यक्ष ने अभियान में झाड़ू लगाकर श्रमदान किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि स्वच्छ भारत ही समृद्ध भारत की पहचान है और हर नागरिक को इसमें योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत उन्होंने पौधारोपण भी किया। केंद्रीय मंत्री ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं हरित भारत का संदेश देते हुए आमजन से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की।

बेटियां किसी से कम नहीं है, बेटियों को बोझ न समझें : मीना

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, फिरोजाबादः उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य मीना कुमारी ने बुधवार को कहा कि बेटियां किसी से कम नहीं है, बेटियों को बोझ नहीं समझें, उन्हें बेहतर पोषण पढ़ाई और समान अधिकार दिलाने का प्रयास किया जाए जिससे वह सशक्त नागरिक बनकर सामने आएं। उन्होंने सरकार की योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया।

राज्य महिला आयोग की सदस्य मीना कुमारी बुधवार को जनपद फिरोजाबाद के जिला अस्पताल परिसर स्थित सौ शैय्या अस्पताल के प्रसूति विभाग में महिला कल्याण विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रही थीं। कार्यक्रम का संचालन जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ़ वीमेन की अधिकारी अनम अकाशा जिला मिशन को.(डी.एम.सी) महिला कल्याण विभाग द्वारा किया गया। राज्य महिला आयोग सदस्य मीना कुमारी ने सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बेटियां किसी से काम नहीं, बेटियों को बोझ नहीं समझें, उन्हें बेहतर पोषण पढ़ाई और समान अधिकार मिलने का प्रयास किया जाए जिससे वह सशक्त नागरिक बनकर सामने आएं। उन्होंने कहा कि यहां जो सारी बेटियां बैठी हैं, वह बेटों से कम नहीं है, बेटियां कोई भार नहीं है, सरकार ने बेटियों को जन्म से है लेकर उनकी शिक्षा दीक्षा का पूरा भार उठा रखा है, उन्होंने सारी योजनाओं का बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि की कन्या सुमंगला योजना जैसी एवं डाकघर से जुड़ी हुई विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाएं हैं, जिससे बेटियों की शिक्षा-दीक्षा और उनके जीवन यापन में बच्चियों को सरकार सहारा दे रही है।

उन्होंने सभी नन्ही कन्याओं के साथ केक कटिंग सेरेमनी एवं 20 नवजात कन्याओं को बेबी किट वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंतिम क्षण में एसडीएम विकल्प द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम संपन्न होने के साथ अस्पताल का निरीक्षण किया गया।

मोदी सरकार सुशासन के 12 वर्ष पूर्ण होने पर लगाई गई विकास प्रदर्शनी

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, बिजनौरः उत्तर प्रदेश के जनपद बिजनौर में बुधधार को मोदी सरकार के 12 वर्ष तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुशासन के 09 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इन्दिरा बाल भवन, बिजनौर में विकास प्रदर्शनी का दीप प्रज्वलित कर एवं फीता काटकर शुभारम्भ किया गया । इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तारिक मंसूर, भाजपा के बिजनौर जिला अध्यक्ष भाजपा भूपेन्द्र चौहान तथा जिलाधिकारी जसजीत कौर उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा जनपद की विकासपरक योजनाओं पर आधारित विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों यथा-कृषि, स्वास्थ्य, महिला कल्याण, उद्यान विभाग, बाल विकास परियोजना, खादी ग्रामोद्योग, पंचायती राज विभाग, समाज कल्याण विभाग, जिला प्रोबेशन, पीएम नेडा सूर्यघर, कौशल विकास/आई0 टीआई, उद्योग विभाग, एनआरएलएम समूह की महिलाओ द्वारा लगाए स्थलों का अवलोकन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं स्वीकृति-पत्र वितरित कर लाभान्वित किया गया। प्रदर्शनी में केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को आकर्षक किट और डिजिटल माध्यम से प्रदर्शित किया गया। सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग लखनऊ के तत्वाधान में विकास प्रदर्शनी प्रमुख रूप से आकर्षण का केन्द्र रही।

मेडा ने दिखाई ज्वैलरी पार्क की पहली झलक

क्राउन के आकार की होगी बिल्डिंग 800 करोड़ की है परियोजना

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, मेरठ : मेरठ के सराफा कारोबार को नई पहचान देने के लिए प्रस्तावित ज्वैलरी पार्क की पहली झलक बुधवार को कारोबारियों के सामने प्रस्तुत की गई। मेरठ विकास प्राधिकरण की ओर से आयोजित प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि वेदव्यासपुरी में बनने वाला ज्वैलरी पार्क क्राउन यानी मुकुट के आकार की भव्य इमारत के रूप में विकसित किया जाएगा। करीब 800 करोड़ रुपये की इस परियोजना को आभूषण कारोबार के लिए आधुनिक केंद्र के रूप में तैयार किया जा रहा है।

पीएल शर्मा मैदान के निकट स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मेरठ विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने ज्वैलरी पार्क की विस्तृत जानकारी दी। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना की संरचना, आवंटन प्रक्रिया, उपलब्ध सुविधाएं, प्रस्तावित दरें और व्यापारिक संभावनाओं पर चर्चा की गई। कारोबारियों को अपने सुझाव और सवाल रखने का अवसर भी दिया गया। प्राधिकरण की ओर से वेदव्यासपुरी में लगभग 36 हजार वर्गमीटर भूमि इस परियोजना के लिए चिह्नित की गई है। पार्क में शोरूम, थोक व्यापार केंद्र, कारीगर कार्यशालाएं, उत्पादन इकाइयां, प्रदर्शनी स्थल, बैंकिंग सुविधाएं और साझा सेवा केंद्र विकसित किए जाएंगे। उद्देश्य यह है कि आभूषण कारोबार से जुड़ी सभी गतिविधियां एक ही परिसर में संचालित हो सकें। परियोजना में एक मुख्य प्रवेश द्वार, अलग-अलग व्यापारिक खंडों के लिए पृथक प्रवेश व्यवस्था और खरीदारों व विक्रेताओं के ठहरने की सुविधा भी प्रस्तावित की गई है।

आपका राशिफल 18 जून

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक 2 5 7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगा। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टाले। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आत्मीय जनों से मिलन होगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक 2 4 5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-1-3-5

योगी सरकार ने बढ़ाया 24 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश, 25 से खुलेंगे विद्यालय

हीट वेव की चुनौती को देखते हुए पूरे प्रदेश में लागू होगी एक समान अवकाश व्यवस्था

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बड़ा निर्णय लिया है। प्रदेश में लगातार बढ़ रही गर्मी और हीट वेव की परिस्थितियों को देखते हुए बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश की अवधि बढ़ाकर 24 जून तक कर दी गई है।

अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग पार्थ सारथी सेन शर्मा की ओर से जारी आदेश के अनुसार अब प्रत्येक वर्ष 20 मई से 24 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश रहेगा तथा 25 जून से विद्यालयों में नियमित पठन-पाठन प्रारंभ होगा। योगी सरकार का उद्देश्य बच्चों को भीषण गर्मी से सुरक्षित रखते हुए नए शैक्षणिक सत्र की बेहतर और व्यवस्थित शुरुआत सुनिश्चित करना है। प्रदेश सरकार ने यह निर्णय पिछले वर्षों के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए लिया है, जब हीट वेव की स्थिति के कारण जिलाधिकारियों को स्थानीय स्तर पर बार-बार अवकाश बढ़ाना पड़ता था। नई व्यवस्था से पूरे प्रदेश में एकरूपता सुनिश्चित होगी और विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा शिक्षकों को स्पष्ट शैक्षणिक कैलेंडर उपलब्ध हो सकेगा। योगी सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि विद्यालय खुलने से पहले सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं। इसके लिए 22, 23 और 24 जून को सभी शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी विद्यालय में उपस्थित रहेंगे।

220 कार्यदिवस और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पर रहेगा विशेष जोर

अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया है कि शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में न्यूनतम 220 कार्यदिवस और नियमित पठन-पाठन सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारियों को भी स्थानीय स्तर पर अवकाश घोषित करने से पूर्व इस विधिक प्रावधान को ध्यान में रखने के निर्देश दिए गए हैं। योगी सरकार का मानना है कि बच्चों के अधिगम परिणामों में सुधार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए पर्याप्त शिक्षण दिवस सुनिश्चित करना आवश्यक है। आदेश में विद्यालयों में बिजली, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुचारु रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।